भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

भारत, सबसे पुरानी सभ्यता वाला देश और दुनिया में सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के कारण अपनी विशिष्ट पहचान और विरासत के लिए जाना जाता है। भारत 28 राज्यों और 9 केंद्र शासित प्रदेशों, विभिन्न धर्मों और संस्कृति का उद्गम स्थल है। भारत के राष्ट्रीय चिह्न हमारे देश की पहचान बनाने, विविध संस्कृति को एक साथ लाने और उन्हें एक ही तार में बांधने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

UPSC और राज्य PSC/PCS परीक्षा के लिए राष्ट्रीय चिह्न/प्रतीक बहुत महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्रीय प्रतीकों से संबंधित प्रश्न अक्सर प्रीलिम्स और मेन्स परीक्षा में पूछे जाते हैं। आप निबंध और मुख्य परीक्षा के उत्तरों में भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं एवं जानकारी का उपयोग कर सकते हैं।

राष्ट्रीय ध्वज

दुनिया के हर आजाद राष्ट्र का अपना एक झंडा है। राष्ट्रीय ध्वज एक स्वतंत्र देश का प्रतीक है। **22 जुलाई 1947** को आयोजित संविधान सभा की बैठक के दौरान भारत का राष्ट्रीय ध्वज अपने वर्तमान स्वरूप में अपनाया गया था।

राष्ट्रीय ध्वज के शीर्ष पर गहरा केसरिया (केसरिया) रंग है। तिरंगे के मध्य में सफेद और उसके नीचे की पट्टी का गहरा हरा रंग है। ध्वज की चौड़ाई और लंबाई का अनुपात दो से तीन है। ध्वज की सफेद पट्टी के बीच में एक चक्र बना है। इस चक्र की धारियां नीले रंग की हैं।

केसरिया रंग - शक्ति और साहस

सफेद रंग- धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य

हरा रंग- शुभ, विकास और उर्वरता का

राष्ट्रीय ध्वज में पहिया सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए **सारनाथ सिंहस्तंभ** से लिया गया है।

राष्ट्रीय पक्षी

भारतीय मोर (पावोक्रिस्टैटस) भारत का राष्ट्रीय पक्षी है। यह रंगीन हंस के आकार का पक्षी है जिसके पंख, काफी बड़े, आंख के नीचे सफेद धारियां और लंबी पतली गर्दन होती है।

राष्ट्रीय फूल

कमल (वैज्ञानिक नाम- नेलुम्बो नुसिफेरा गर्टन) भारत का राष्ट्रीय फूल है। यह एक पवित्र फूल है जो प्राचीन भारत की कला और पौराणिक कथाओं में एक अद्वितीय स्थान रखता है। यह मुख्य रूप से भारत, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका में पाया जाता है लेकिन इसकी पहचान दुनिया भर में है। भारत वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है। भारत वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पौधों की विविधता के मामले में **दुनिया में दसवें स्थान पर और एशिया में चौथे स्थान** पर है।

राष्ट्रीय वृक्ष

बरगद का पेड़ (फिकसबेंगालेंसिस) जिसकी शाखाएं एक बड़े क्षेत्र में फैल जाती हैं और एक नए पेड़ को जन्म देती हैं। इसकी शाखाओं से अनेकों शाखाएं निकलती हैं। इस विशेषता की वजह से इस पेड़ को अमर माना जाता है और यह भारत के मिथकों और किंवदंतियों का एक अभिन्न अंग है। यह पेड़ दुनिया के सबसे बड़े पेड़ों में से एक हैं। इसकी शाखाएं 20 से 25 मीटर तक बढ़ती हैं जो 100 मीटर तक फैलती हैं। वर्तमान समय में भी बरगद का पेड़ गांव के जीवन का केंद्र बिंदु है और ग्राम सभा की बैठक इसी पेड़ की छांव में होती है।

राष्ट्रीय गान

"**जन गण मन**" भारत का राष्ट्रीय गान है| भारत का राष्ट्रीय गान विभिन्न अवसरों पर बजाया या गाया जाता है। राष्ट्रीय गान संबंधी निर्देश समय-समय पर जारी किए गए हैं जिन अवसरों पर इसे बजाया या गाया जाता है| ताकि इसे इसके गायन के वक्त इसे पूरा सम्मान दिया जाए।

यह मूल रूप से बंगाली में भारत के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता श्री **रवींद्रनाथ टैगोर** द्वारा रचित था। रवीन्द्र नाथ टैगोर ने बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान भी लिखा है। जन गण मन 'का पहला संस्करण 1911 में कलकत्ता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक सम्मेलन में गाया गया था।

मूल गीत '**भारत भाग्य विधाता**' एक ब्रह्म भजन है जिसमें पांच छंद हैं और केवल पहले पद को राष्ट्रगान के रूप में अपनाया गया है।

इस गीत को सबसे पहले 'भारत भाग्य विधाता' के नाम से **तत्वबोधिनी पत्रिका** में प्रकाशित किया गया था। तत्वबोधिनी पत्रिका ब्रह्म समाज का आधिकारिक प्रकाशन था।

राष्ट्र चिन्ह

अशोक चिह्न भारत का राजकीय प्रतीक है। इसको सारनाथ में मिले **अशोक के सिंह स्तंभ** से लिया गया है। मूल रूप इसमें चार शेर हैं जो चारों दिशाओं की ओर मुंह किए खड़े हैं। इसके नीचे एक गोल आधार है जिस पर एक हाथी के एक दौड़ता घोड़ा, एक सांड़ और एक सिंह बने हैं। ये गोलाकार आधार खिले हुए उल्टे लटके कमल के रूप में है।

इसे 26 जनवरी 1950 को भारत सरकार द्वारा राजकीय प्रतीक के तौर पर अपनाया गया था जिसमें केवल तीन शेर दिखाई देते हैं चौथा शेर दिखाई नहीं देता|

राष्ट्रीय कैलेंडर

भारतीय कैलेंडर को कभी-कभी **शालिवाहन शक कैलेंडर** कहा जाता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के साथ **22 मार्च 1957** से राष्ट्रीय कैलेंडर को अपनाया गया। माना जाता है कि शक संवत की स्थापना सातवाहन वंश के राजा शालिवाहन ने की थी। कैलेंडर में सामान्य ग्रेगोरियन कैलेंडर की तरह 365 दिन और 12 महीने होते हैं।

राष्ट्रीय पशु

भारत का राष्ट्रीय पशु **रॉयल बंगाल टाइगर** है। रॉयल बंगाल टाइगर का वैज्ञानिक नाम पैंथेरा टाइग्रिस है। टाइगर भारत, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार और श्रीलंका सहित भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न हिस्सों में पाया जाता है। ये पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और ओडिशा के जंगलों में पाए जाते हैं। दुनिया में बाघों की आबादी का 70% हिस्सा भारत में है।

राष्ट्रीय गीत

वंदेमातरम गीत को संस्कृत में बंकिम चंद्र चटर्जी ने लिखा था। बंकिम चंद्र चटर्जी स्वंतत्रता के संघर्ष के दौरान लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत थे। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की देशभक्ति उपन्यास 'आनंदमठ' में कविता की विशेषताएं हैं, जो 1880 और 1882 के बीच **'बंगाली दर्शन'** में एक श्रृंखला के रूप में प्रकाशित हुई थी।

राष्ट्रीय मुद्रा

भारतीय रुपया भारतीय गणराज्य की आधिकारिक मुद्रा है। प्रतीक देवनागरी 'रा' और रोमन कैपिटल 'आर' का एक मिश्रण है, जिसमें दो समानांतर क्षैतिज पट्टियां हैं जो राष्ट्रीय ध्वज का प्रतिनिधित्व करते हुए शीर्ष पर चल रही हैं जो कि हस्ताक्षर के बराबर है। भारतीय रुपया चिन्ह को भारत सरकार ने **15 जुलाई 2010** अपनाया था। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे से डिजाइन में स्नातकोत्तर कर चुके **उदय कुमार** ने प्रतीक को डिजाइन किया है।